मंगल मिलन का सुहाना दिन है आया
एक दूजे में खोने का वक्त है आया
सुख सागर में समां जाने का पल है आया
प्रभु रत्न है हम, अपना मोल है हमनें जाना
सिमरण होता आधा-कल्प सम्मान वो हमनें है पाया
बाबा के नयनों में अपना सुन्दर रूप सबकों है दर्शाया
ममता की गोदी में जन्म जमान्तर का वात्सल्य है पाया
आज अपने बाप दादा के आगमन पर मन है तरसाया
आत्मा को एक रूहानी मिलन का अब नशा है छा रहा
झोली में भरेंगे अमूल्य ज्ञान रत्न सुनहरा अफसर है आया
विश्व एक परिवार के मुख्या परमपिता शिव के हम बच्चे
एक स्नेह की सूत्र में बाँधने धरती पर है प्यारा बाबा आया
धड़कणों के हर आवाज़ बोले मेरा बाबा ,मीठा बाबा
मीठी बोली बोलने आया,हमकों संगम पर लुभाने आया

खुश होता बहुत हमें देख, खुशियों की टोली खिलाता
ऐसा मेरा लाडला, परम पूज्य भाग्यविधाता पिता है आया

ॐ शांति!!!
वाह मेरा बाबा वाह!!!